Ref. No. HNBGU/IIC/2024/016 Date: 23/08/2024

Event Title: Celebration of National Space Day - 2024

Date: 22/08/2024 to 23/08/2024

On August 23, 2024, in celebration of National Space Day - 2024, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University hosted an engaging interaction and awareness program. This event was organized collaboratively by the Department of Remote Sensing and GIS Application, Research and Development Cell (RDC), and the Institution's Innovation Council (IIC). Held in the seminar hall of the Department of Physics at Chauras Campus, the program aimed to introduce students to the significant achievements of Indian space science and to spark their interest and curiosity in this field.

In keeping with Indian cultural traditions, the event commenced with a warm welcome to the esteemed guests and participants, followed by a ceremonial lamp lighting. Dr. Ram Kumar Sahu, President of IIC-HNBGU, extended a heartfelt welcome to all attendees. Subsequently, Prof. Hemwati Nandan Pandey, President of RDC-HNBGU, provided an overview of the program's objectives and schedule.

The chief guest of the program, Hon'ble Vice-Chancellor of HNB Garhwal University, Prof. Annapurna Nautiyal, began her address by highlighting the theme of Indian Space Day: "Touching Humanity While Touching the Moon." She commended the hard work and dedication of India's space scientists, praising their contributions to both national and global advancements. Prof. Nautiyal noted the exemplary work of the university's Department of Remote Sensing in areas such as disaster management, forest fire monitoring, and forest management. She emphasized the importance of interdepartmental collaboration to ensure the university's continued progress and concluded her speech with an inspiring message: "We have moved forward, and we will move further" (Hum ab aage badh chuke hain aur aage badhenge).

Dr. C. M. Bhatt, Senior Scientist at the Indian Institute of Remote Sensing (IIRS), Dehradun, was the main speaker for the event. He captivated the audience by discussing the pivotal contributions of Dr. Vikram Sarabhai to Indian space research. Dr. Bhatt explained how Dr. Sarabhai, despite his background in business, developed a passion for space exploration and played a key role in founding the Indian Space Research Organisation (ISRO). He provided an

overview of India's historical milestones in space missions, including the Indian Institute of Remote Sensing (IIRS) and ISRO's achievements. Dr. Bhatt detailed the six types of moon missions: Fly-by, Orbiter, Impact Mission, Lander, Rover, and Human Crew. He also covered the structure, types, and components of launch vehicles, landers, and rovers. Highlighting India's recent accomplishments, he noted that India is the first country to successfully land on the Moon's south pole at the SHIV-SHAKTI point and to scientifically confirm the presence of hydroxyl ions (OH-) and Sulfur on the Moon's surface.

The second speaker of the event, Dr. Akhilesh Nautiyal, Civil Engineering Department at NIT Uttarakhand, provided valuable insights into the various applications of remote sensing in everyday life. He explained the technical aspects of remote sensing and its critical role in online delivery systems, weather monitoring, and forest fire management. Dr. Nautiyal also highlighted career opportunities in remote sensing, offering practical guidance that was particularly beneficial to the students.

Prof. C. M. Sharma, Dean of the School of Life Sciences, addressed the students with a historical perspective on remote sensing. He discussed its early use in Germany for forest surveys and provided a detailed overview of different types of satellites, their operational mechanisms, and the concepts of active and passive remote sensing. Prof. Sharma also explained how remote sensing contributes to weather forecasting and meteorological data collection.

Prof. S. C. Bhatt, Dean of the School of Science, compared the budgetary aspects of Indian space missions with those of other countries, such as the USA and Russia. He praised the remarkable achievements of Indian space scientists, who have accomplished significant milestones with relatively modest budgets. Prof. Bhatt highlighted India's success in achieving a soft landing on the Moon on its third attempt and detailed the findings of the PRAGYAN Rover from the Moon's surface. He emphasized the potential benefits of indigenous space research for human development and encouraged the use of scientific knowledge not only for financial gain but also for the advancement of the country and humanity.

On National Space Day, the event featured both a poster and quiz competition was conducted on 22 August 2024. The winners were honored by the Hon'ble Vice-Chancellor and other distinguished guests.

In the poster competition, the results were as follows:

- 1st Position: Negi
- 2nd Position: Anurag
- 3rd Position: Bhaskar

For the quiz competition:

- **Undergraduate Group**:
  - 1st Place: Naveen
  - 2nd Place: Akhilesh
  - 3rd Place (jointly): Lokesh & Ayush
- **Postgraduate Group**:
  - 1st Place: Pratyoosh
  - 2nd Place: Khushboo
  - 3rd Place (jointly): Praveen, Ritik & Neha

All winners received mementos and certificates in recognition of their achievements.

The event was attended by several faculty members, including Dr. Bhaskaran, Dr. Suneel Kumar, Dr. Sanjay Upadhyay, Dr. Surendra Puri, Dr. Rohit Mahar, Dr. Vibhishan Roy, Dr. Jitendra Kumar, Dr. Vineet Maurya, Dr. Bibhishan Roy and Dr. Anil Shukla.

The program concluded with Dr. Subhash Bera, Assistant Professor in Remote Sensing and GIS Applications, delivering a vote of thanks to the esteemed guests, participants, faculty members, and students, acknowledging their contributions to the success of the event.

President
Institution's Innovation Council (IIC)
H.N.B. Garhwal University
Srinagar (Pauri Garhwal)
Uttarakhand - 246174

अमर हिन्दुस्तान
देहरादून, रविवार,25 अगस्त 2024 2
www.amarhindustan.co.in

संपादकीय

चर्चा की जरूरत ही क्या!

सरकार दरियादिली पर उतर आए तो बहुत कुछ कर सकती है और अक्सर करती भी दिखती है। यह अलग बात है कि उसकी प्राथमिकताएं अपने तरह से होती हैं। उन प्राथमिकताओं में आम आदमी केंद्र में हो, यह जरूरी नहीं। जरूरी होता है मौके पर चौका लगाने का। और यह चौका लगा शुक्रवार को, जब उत्तराखंड विधानसभा ने विधायकों के विभिन्न भत्तों में बढ़ोतरी करने और उन्हें कैशलैस इलाज की सुविधा देने का प्रावधान करने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी। गजब यह कि कांग्रेस सदस्यों की अनुपस्थिति में पारित हुए 'उत्तराखंड राज्य विधानसभा विविध (संशोधन) विधेयक- 2024' को मंजूरी मिल गयी है।विधायकों के वेतन भत्ते वृद्धि का विधेयक पास करने में कोई देर भी नहीं लगी और न ही किसी विधायक ने इस पर ऐतराज जताया। सब कुछ एक फिक्स गेम की तरह हुआ। चर्चा से बचने के लिए विपक्ष ने वॉक आउट किया और सत्तारूढ़ दल ने हाथ खड़े कर पास कर दिया। कर्ज के बोझ तले कराह रहे उत्तराखंड के साथ यह विडंबना ही है कि बेतहाशा खर्च बढ़ाने के मामले में कोई माननीय मुंह नहीं खोलता। विधानसभा से विधेयक के पारित होने के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का बड़ी मासूमियत से कहना था कि भत्तों में बढ़ोतरी को लेकर विधायकों की लंबे समय से अपेक्षा थी। इसे देखते हुए एक समिति गठित की गई थी और उसी समिति की कुछ संस्तुतियों को स्वीकार करते हुए यह विधेयक लाया गया था। विधेयक में व्यवस्था की गई है कि स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अब विधायकों को भी राज्य कर्मचारियों की भांति 'गोल्डन कार्ड' दिया जाएगा, जिसके माध्यम से उन्हें कैशलैस उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। निसंदेह माननीयों की जान बेशकीमती होती है। उनके लिए देश में ही नहीं विदेश में भी इलाज की सुविधा होनी चाहिए। इसलिए व्यवस्था की गई है कि प्रदेश के बड़े चिकित्सालय, दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), फोर्टिस और राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर जैसे संस्थानों में उन्हें कैशलैस इलाज की सुविधा मिले या वहां हुए चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति की जाए। इस विधेयक में प्रावधान है कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के द्वारा रेफर किए जाने पर विधायकों को विदेश में भी चिकित्सा सुविधा अनुमन्य होगी। किंतु इस बात की चिंता हासिए पर चली जाती है जब प्रदेश की कोई महिला सड़क पर बच्चे को जन्म देती है, उसे अस्पताल तक पहुंचाने की व्यवस्था नहीं होती। तीस तीस किमी दूर तक स्वास्थ्य सेवाओं का कोई इंतजाम नहीं, अस्पतालों का हाल यह कि मरीज को एक जगह से दूसरी जगह रेफर करना रूटीन हो गया है। कमिश्नर जांच करने निकले तो पता चलता है कि अस्पताल आए बिना हर महीने डॉक्टर की हाजिरी लग जाती है। यानी आम लोगों के लिए सिर्फ सपने और माननीयों के लिए विदेश तक इलाज! क्या ये नाइंसाफी नहीं। क्यों नहीं किसी माननीय ने यह कहा कि हमारी फिक्र से पहले लोगों की सुध ली जाए। चर्चा तो दूर उस पर मामूली विचार करने की जरूरत तक नहीं समझी गई।माननीयों पर मेहरबानी यहीं तक सीमित नहीं। सरकार की दरियादिली देखिए, विधायकों को वाहन चालक की तनख्वाह के लिए अब तक 12,000 रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे थे। इस भत्ते को बढ़ाकर अब 20,000 रुपये प्रति माह कर दिया। इसके अलावा विधायकों को रेलवे कूपन की स्वीकृत धनराशि में से तीस हजार रुपये नकद दिए जाएंगे और टेलीफोन के लिए विधायकों को मिलने वाली दो हजार रुपये प्रतिमाह की सीमा को भी बढ़ा दिया गया है। यानी उनके लिए बिन मांगे मोती मिले और निरीह जनता को कुछ नहीं। इस स्थिति में विधेयक पारित करने वाले और उस पर चर्चा से बचने के लिए वॉक आउट को हथियार बनाने वाले दिल पर हाथ रख कर पूछें कि क्या उन्होंने उचित किया। हालांकि बेदर्द जमाने में दिल ढूंढना आसान नहीं है किंतु बड़ी बात यह है कि बीते ढाई दशक में उत्तराखंड के राजनेता इतने मालामाल बने हैं कि वे अपना खर्च खुद उठाने की स्थिति में हैं। कमोबेश ज्यादातर वही लोग हैं जो राज्य स्थापना के बाद से देखे जा रहे हैं।

गढ़वाल विवि में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर गोष्ठी

भौतिकी विज्ञान विभाग के सभागार एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया

अमर हिन्दुस्तान

श्रीनगर। गढ़वाल विवि मे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के लिए गोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य मे हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस एप्लीकेशन विभाग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल तथा इंस्टीट्यूशन इन्नोवेशन कौंसिल द्वारा, भौतिकी विज्ञान विभाग के सभागार एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के अंदर भारत के अंतरिक्ष विज्ञान अनुसन्धान की उपलब्धियों की जानकारी देना था, उनके अंदर अंतरिक्ष विज्ञान एवं रिमोट सेंसिंग दूरस्थ संवेदन को लेकर उत्सुकता जगाना था।कार्यक्रम का प्रारम्भ भारतीय परंपरा अनुसार अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। सर्वप्रथम इंस्टीट्यूशन इन्नोवेशन कौंसिल के प्रेसिडेंट डॉ. राम साहू ने स्वागत भाषण दिया तथा रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के चेयरमैन प्रोफेसर हेमवती नंदन ने कार्यक्रम का विवरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की मुख्य अथिति विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति महोदया प्रोफेसर अन्नपूर्णा नौटियाल जी ने अपने अभिभाषण की शुरुआत इस वर्ष के राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की थीम 'टचिंग लाइफ वाईल टचिंग द मून' से की। उन्होंने हमारे वैज्ञानिकों की देश के प्रति निष्ठा और समर्पण साथ ही विश्व कल्याण मे उनके योगदान पर चर्चा की। उन्होंने बताया की विश्वविद्यालय का रिमोट सेंसिंग विभाग विभिन्न क्षेत्रों जैसे आपदा प्रबंधन, फारेस्ट फायर, फारेस्ट मॉनिटरिंग के क्षेत्र मे बहुत अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने सभी विभागों को एक साथ मिलकर विश्वविद्यालय के हित मे कार्य करने की प्रेरणा दी। और अपने अभिभाषण का समापन 'हम अब आगे बढ़ चुके हैं और आगे बढ़ेंगे' के वाक्य के साथ किया।इसके बाद, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सीएम. भट्ट, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान आईआईआरएस, देहरादून ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान मे विक्रम साराभाई के योगदान और इसरो तथा आई.आई.आर.एस. की स्थापना के बारे मे जानकारी दी।

उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास के विभिन्न महत्वपूर्ण मील के पत्थरों पर प्रकाश डाला और विभिन्न प्रक्षेपण यानों, लैंडर के यंत्रों, रोवर आदि के बारे मे विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड करने वाला पहला देश बना और चंद्रमा पर हाइड्रॉक्सिल और सल्फर की खोज करने वाला पहला देश भी भारत ही है।

कार्यक्रम के दूसरे वक्ता डॉ. अखिलेश नौटियाल, एन. आई. टी. श्रीनगर ने छात्रों को रिमोट सेंसिंग के विभिन्न आयामो, दैनिक जीवन मे रिमोट सेंसिंग के उपयोग के बारे मे बताते हुए कहा कि आजकल ऑनलाइन डिलीवरी, मौसम की सटीक जानकारी लेकर आपदा से बचाव आदि मे रिमोट सेंसिंग का बहुत योगदान है। साथ ही डॉ नौटियाल ने विद्यार्थियों को रिमोट सेंसिंग क्षेत्र मे करियर के अवसरों के बारे मे जानकारी देते हुए रिमोट सेंसिंग की भूमिका और आवश्यकता पर चर्चा की।प्रोफेसर सी. एम. शर्मा, डीन स्कूल ऑफ़ लाइफ साइंसेज, ने रिमोट सेंसिंग के सर्वप्रथम प्रयोग के बारे मे बताया, जो जर्मनी मे जंगलो के सर्वेक्षण के लिए किया गया था।

कार्यक्रम मे प्रोफेसर एच. सी. भट्ट, डीन स्कूल ऑफ़ साइंसेज, ने भारतीय चंद्रयान मिशन के बजट पर चर्चा की और बताया कि भारत ने तीसरे प्रयास मे चंद्रमा पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की। उन्होंने प्रज्ञान रोवर द्वारा चंद्रमा की सतह पर किए गए अवलोकन के बारे मे जानकारी दी और इंडीजीनस रिसर्च के माध्यम से मानव कल्याण की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमे अपने ज्ञान का उपयोग केवल धन अर्जित करने के लिए नहीं, बल्कि मानव कल्याण और देश के विकास के लिए भी करना चाहिए।कार्यक्रम में भारतीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य मे विश्वविद्यालय मे आयोजित पोस्टर एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओ के विजेताओं को कुलपति एवं अतिथियो द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र भी प्रदान किये गए। कार्यक्रम मे, डॉ भास्कर, डॉ सुनील, डॉ संजय, डॉ सुरेंद्र, डॉ रोहित, डॉ जीतेन्द्र, डॉ विनीत मौर्य, डॉ अनिल शुक्ला, डॉ विभीषण रॉय आदि भी उपस्थित थे।कार्यक्रम के अंत मे विश्वविद्यालय के रिमोट सेंसिंग विभाग के डॉ सुभाष बेरा ने सभी अतिथियो, आगंतुको एवं आयोजन को सफल बनाने मे लगे सभी संकाय सदस्यो एवं विद्यार्थियो का धन्यवाद प्रस्तुत किया।

सांसद के आश्वासन के बाद क्रमिक अनशन स्थगित

सड़क सघर्ष समिति के अध्यक्ष राकेश नेगी ,मोहन खाल व्यापार मंडल के अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह बिष्ट ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आज 12 दिन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद महेन्द्र प्रसाद भट्ट ने धरना

अनिल कुमार जाडली ने संभाला एनटीपीसी

INSTITUTION'S INNOVATION COUNCIL
(Ministry of Education Initiative)

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय
Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University
श्रीनगर गढ़वाल (उत्तराखण्ड)–246174
Srinagar Garhwal (Uttarakhand) - 246174
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University)

Amar Ujala_Garhwal_2024-08-25.pdf 10 / 20 75%

काय के प्रो. पाडी समल्टी, वाणिज्य संकाय के
र शर्मा और विज्ञान स्नातक वर्ग बायो के
ताया कि विवि की ओर से प्रथम काउंसलिंग में
प्रवेश दिया जा रहा है। संवाद

कक्षाओं के संचालन की मांग

में आत्मरक्षा कक्षाओं का संचालन करने समेत बैंक
ी मांग को लेकर छात्रों ने गढ़वाल विवि के छात्र
ापन सौंपा। कहा कि अति शीघ्र मांगों पर विवि की
ाई होनी चाहिए। छात्रसंघ महासचिव आंचल राणा
लाओं के साथ लगातार बढ़ते अपराध की घटनाएं
विवि स्तर पर छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर
ससे आवश्यकता पड़ने पर वह अपनी सुरक्षा कर
डीएसडब्लू प्रो एमएस नेगी को ज्ञापन सौंपा।
है कि शैक्षणिक सत्र से विवि में छात्राओं के लिए
संचालन किया जाए। साथ ही आंतरिक बैंक
ने के साथ उत्तर पुस्तिकाओं की पुनः जांच के
डीएसडब्ल्यू प्रो. एमएस नेगी ने कहा कि नई शिक्षा
स का प्रावधान है। संवाद

र प्रवेश
कते हैं।
रिसरों में
लिए
rth.e

du.in पर व संबंद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए hnbgu-cuet.samarth.edu.in/college/ लिंक पर क्लिक कर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

अध्ययन सॉल्व्ड पेपर्स (2013-2024)' ऑनलाइन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि वर्ष 2025 की आईएएस प्रारंभिक परीक्षा 25 मई, 2025 को प्रस्तावित है। परीक्षा की तैयारी के लिए किताब में वर्ष 2013 से लेकर वर्ष 2024 तक की आईएएस प्रारंभिक परीक्षा में पूछे गए सामान्य अध्ययन के प्रश्नों के प्रामाणिक व्याख्या के साथ हल दिए गए हैं। इन प्रश्नों के नियमित अभ्यास से आईएएस परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों को कम समय में हल करने का अभ्यास तो होता ही है, पूछे जाने वाले प्रश्नों की प्रकृति का भी पता चलता है। उत्तर प्रदेश पीसीएस की प्रारंभिक परीक्षा भी आगामी 27 अक्तूबर को होनी है। ये सॉल्व्ड पेपर्स दोनों ही परीक्षाओं के लिए उपयोगी हैं, क्योंकि इनकी प्रारंभिक परीक्षा का सिलेबस और पूछे जाने वाले प्रश्नों का पैटर्न लगभग एक जैसा ही होता है। दिल्ली में मुखर्जी नगर स्थित

ऑनलाइन खरीदने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

विभिन्न कोचिंग संस्थानों ने इन सॉल्व्ड पेपर्स को आईएएस परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए संग्रहणीय बताया है। आप इसे ऑनलाइन ऑर्डर कर मंगा सकते हैं। ज्यादा जानकारी के लिए दिए गए व्हाट्स ऐप नंबर पर संपर्क भी कर सकते हैं।

पौधरोपण किया

श्रीनगर। गढ़वाल विवि के चौरास परिसर में वानिकी एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग की ओर से एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. आरसी सुंदरियाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में प्रो. मुनेश कुमार, डा. बीपी चमोला, डा. जेएस बुटोला, डा. हिमशिखा गुसांई आदि मौजूद थे। संवाद

बैडमिंटन में 160 छात्रों ने किया प्रतिभाग

श्रीनगर। गढ़वाल विवि के इंडोर स्टेडियम में दो दिवसीय स्व. मगना देवी स्मृति अंतर विद्यालय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ हो गया है। प्रतियोगिता में 26 विद्यालयों के 160 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। शनिवार को रोटरी क्लब श्रीनगर द्वारा आयोजित दो दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी खिर्सू डॉ अश्विनी रावत ने किया। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि गढ़वाल विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ सुरेन्द्र सिंह मौजूद रहे। रोटरी क्लब के अध्यक्ष रो दिनेश प्रसाद जोशी ने कहा कि दो दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में ब्लॉक के विभिन्न स्कूलों के 160 छात्र प्रतिभाग कर रहे हैं। रविवार को प्रतियोगिता का समापन होगा। प्रतियोगिता में रोटरी क्लब के सचिव अनिल ढौंडियाल, कोषाध्यक्ष डॉ हरीश भट्ट, नरेश नौटियाल, बृजेश भट्ट, एसपी घिल्डियाल, अनूप घिल्डियाल, खिलेंद्र चौधरी, ओम प्रकाश गोदियाल, उषा चौधरी, संचित अग्रवाल, आशीष

वीर चंद्र सिंह गढ़वाली औद्यानिकी एवं वानिकी विवि भरसार में यूजी, पीजी व पीएचडी में प्रवेश के लिए बीते 14 जुलाई को प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई थी। प्रवेश परीक्षा विवि के भरसार व रानीचौरी परिसरों के साथ ही श्रीनगर, हल्द्वानी व देहरादून केंद्रों में शांतिपूर्ण संपन्न होने के बाद बीते 24 जुलाई को परिणाम घोषित हुआ था।

विवि प्रशासन ने प्रवेश को लेकर बीते तीन अगस्त तक यूजी में एक से 301, पीजी में एक से 156 और 43 और पीएचडी में तीन छात्रों ने प्रवेश लिया है।

द्वितीय काउंसलिंग के तहत छात्र-छात्राएं आगामी 29 अगस्त तक पंजीकरण के साथ शुल्क जमा कर सकते हैं। 30 अगस्त तक पाठ्यक्रमों में विकल्प भर सकते हैं। साथ ही विकल्प भरकर प्रिंट आउट 31 अगस्त से एक सितंबर की शाम पांज बजे तक प्राप्त कर सकते हैं।

प्रो. खंडूड़ी ने बताया कि प्रवेश को लेकर सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। संवाद

छात्रों को दी अंतरिक्ष की जानकारी

श्रीनगर। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में गढ़वाल विश्वविद्यालय के भौतिकी विज्ञान विभाग के सभागार एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि विश्वविद्यालय का रिमोट सेंसिंग विभाग विभिन्न क्षेत्रों जैसे आपदा प्रबंधन, फॉरेस्ट फायर, फारेस्ट मॉनिटरिंग के क्षेत्र में बहुत अच्छा काम कर रहा है। मुख्य वक्ता भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान देहरादून के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सीएम भट्ट ने भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान में विक्रम साराभाई के योगदान और इसरो तथा आईआईआरएस की स्थापना के बारे में जानकारी दी। संवाद

फाइड विज्ञापन बुक करने के लिए कॉल करें:- 1800-121-1166

ZEE Da'ZEAGRA

GPS Map Camera
Srinagar, Uttarakhand, India
6RG3+R8W, campus, Madhi Chauras, Srinagar, Naur, Uttarakhand 249161, India
Lat 30.227207°
Long 78.803298°
22/08/24 01:59 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Naur, Uttarakhand, India
6RG3+VF7, Madhi Chauras, Naur, Srinagar, Uttarakhand 249161, India
Lat 30.227217°
Long 78.803904°
23/08/24 11:38 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Naur, Uttarakhand, India
6RG3+VF7, Madhi Chauras, Naur, Srinagar, Uttarakhand 249161, India
Lat 30.227234°
Long 78.803897°
23/08/24 11:21 AM GMT +05:30
Google